

Advisors

Adoor Gopalakrishnan
Resul Pookkuttu
Ravi Subramanian
Satchidanandan
Laxman Gaikwad
Bose Krishnamachari
Uma Da Cunha
C Gouridasan Nair

Festival Director
Mohan Kakanadan
(9820 55 6869)

Executive Director
Sabarinath M
(9819 16 0980)

Presented by

Kaakka



P4C



एलआईसी गेटवे लिटफेस्टॉन के दूसरे संस्करण 20-21 फरवरी में 15 भाषाओं के 70 लेखक होंगे शामिल

मुंबई प्रारंभिक वर्ष में अपनी शानदार सफलता से राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय भाषाओं में लेखन उत्सव मनाने के लिए भारत का एकमात्र मंच एलआईसी गेटवे लिटफेस्ट का दूसरा संस्करण 20 और 21 फरवरी को एनसीपीए, मुंबई में 15 भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 70 लेखकों के साथ आयोजित होगा ।

इस वर्ष के कार्यक्रम में कई सर्वोच्च लेखक होंगे, जिनमें ज्ञानपीठ प्रतिष्ठित, साहित्य अकादमी विभूषित और भारत भर से उदीयमान लेखक शामिल हैं, ताकि समकालीन क्षेत्रीय भाषाई परिदृश्य पर चर्चा एवं बहस की जाए ।

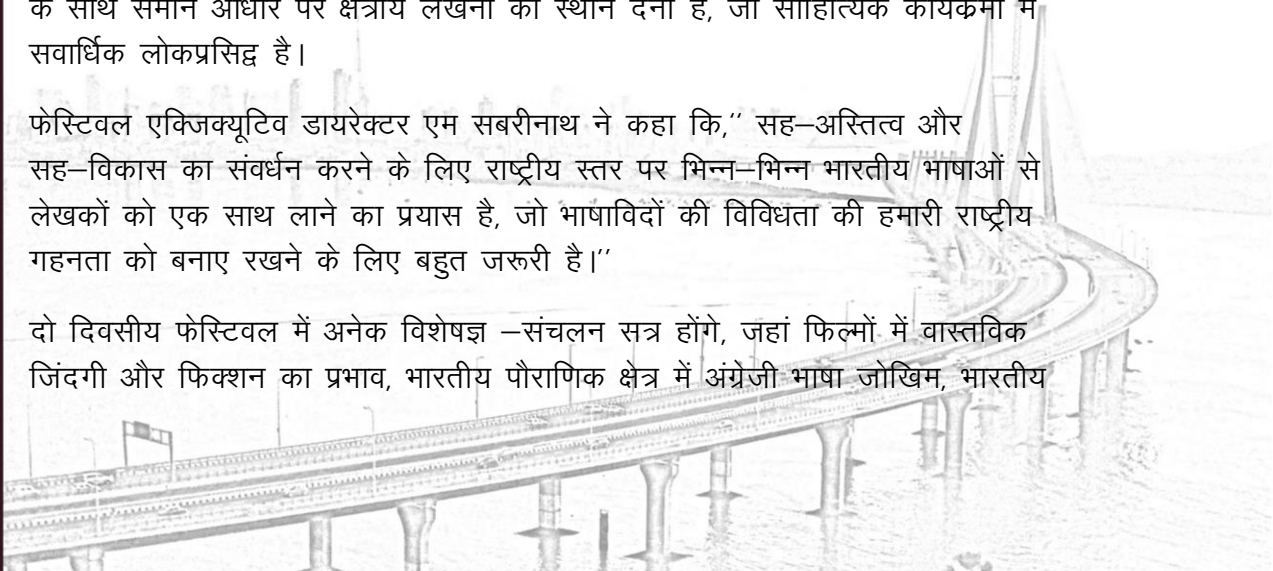
मराठी लेखक भालचंद्र नेमाणे, हिंदी कवि केदारनाथ सिंह, उडिया लेखक प्रतिभा रे और सीताकांत महापात्र जैसे ज्ञानपीठ विभूषित उक्त मंच पर अपनी बात रखेंगे ।

फेस्टिवल डायरेक्टर मोहन कक्कानंदन ने कहा कि, ' इस विशेष पहल के पहले संस्करण के लिए हमें साक्षर समुदाय से बेजोड़ समर्थन मिला । व्यापक अंग्रेजी भाषा बहुल वातावरण में क्षेत्रीय साहित्य और लेखकों के लिए एक सशक्त मंच बनाने की जरूरत की गूंज पाठकों एवं लेखकों में पाया गया । हमारा इरादा नये प्रोग्राम फॉर्मेट समावेशन और क्षेत्रीय साहित्य प्रेमियों की व्यापक भागीदारी के साथ इसे लोगों की मुहिम बनाने का है ।'

मुंबई स्थित मलयालम प्रकाशन कक्का और कम्युनिकेशन एजेंसी पैशन 4 कम्युनिकेशन (P4C) द्वारा संयुक्तरूप से आयोजित इस कार्यक्रम की कल्पना अंग्रेजी में भारतीय लेखन के साथ समान आधार पर क्षेत्रीय लेखकों को स्थान देना है, जो साहित्यिक कार्यक्रमों में सवार्धिक लोकप्रसिद्ध है ।

फेस्टिवल एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर एम सबरीनाथ ने कहा कि, " सह-अस्तित्व और सह-विकास का संवर्धन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भिन्न-भिन्न भारतीय भाषाओं से लेखकों को एक साथ लाने का प्रयास है, जो भाषाविदों की विविधता की हमारी राष्ट्रीय गहनता को बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है ।"

दो दिवसीय फेस्टिवल में अनेक विशेषज्ञ -संचलन सत्र होंगे, जहां फिल्मों में वास्तविक जिंदगी और फिक्शन का प्रभाव, भारतीय पौराणिक क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा जोखिम, भारतीय



Advisors

Adoor Gopalakrishnan
Resul Pookkuttu
Ravi Subramanian
Satchidanandan
Laxman Gaikwad
Bose Krishnamachari
Uma Da Cunha
C Gouridasan Nair

Festival Director
Mohan Kakanadan
(9820 55 6869)

Executive Director
Sabarinath M
(9819 16 0980)

कवियों और कविताओं पर फेसबुक तथा वाट्सऐप जैसी सोशल मीडिया का प्रभाव, क्षेत्रीय महिला लेखकों की मौजूदा स्थिति और मुख्यधारा साहित्यिक क्षेत्र में उनका गैर-आत्मसात्करण, 60 दशक से लेकर 90 दशक तक मराठी साहित्य में बदलाव और रुझान, वे मुद्दे जिनका समकालीन मलयालम साहित्य सामना कर रहा है तथा अनुवाद का गंभीर मुद्दा जो अपनी विशिष्टता खो रहा है और साहित्यिक अंशों का भरपूर इस्तेमाल सिर्फ सहारे के लिए करते हैं, जैसे आज के मौजूदा विषयों पर पैनल चर्चा और बहस होगी।

कार्यक्रम के लिए परामर्श पैनल का नेतृत्व किया है विश्व विख्यात फिल्म निर्माता अदूर गोपालकृष्णन ने। जिन सदस्यों ने अपनी मौजूदगी से इस पैनल की शोभा बढ़ाई है, उनमें मराठी लेखक लक्ष्मण गायकवाड, बैंकर एवं लेखक रवि सुब्रमणियम्, केंद्र साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव और लेखक सत्चिदानंदन, ऑस्कर पुरस्कार विजेता रेसूल पुकुट्टी, कोचि-मुजरिस बिनाले प्रेसीडेंट और क्यूरेटर बोस कृष्णमचारी और संपादक एवं फिल्म लेखक उमा दा कुन्हा शामिल हैं।

प्रारंभिक संस्करण में सात भाषाओं— मराठी, बंगाली, गुजराती, कन्नड, मलयालम, उडिया और तमिल पर फोकस दिया गया। यहां इन कुछ भाषाओं के लिए विशेष सत्र भी था।

पिछले साल साहित्य महोत्सव में भाग लेने वाले साहित्य और फिल्म जगत से प्रमुख नामों में गुजराती कवि और पद्मश्री विभूषित सितांपु यशहाचंद्रा, सुबोध सरकार (बंगाल), लीना मनीमकलाई (तमिलनाडु से फिल्म निर्माता एवं लेखक), गोविंद निहलानी, बेन्यामिन (केरल) हेमंत दिवाते, सतीश सोलंकरकर (महाराष्ट्र), अभिनेता-निर्देशक नंदिता दास, सचिन केतकर (गुजरात), कुरीपपुजा श्रीकुमार, कलपेष्टा नारायन, वीआर सुधिश, मनासी (सभी केरल) और रामू रामनाथन का समावेश है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: मोहन कक्कानंदन, मो: 9820556869

email-gatewaylitfest@gmail.com

Website-www.gatewaylitfest.com

Presented by

Kaakka



P4C

